अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(a) जलवायु परिवर्तन से	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) सोच और व्यवहार में बदलाव	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) प्रकृति और पर्यावरण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई	1
	(v)	(v)	(v)	(c) तीसरी	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(a) परमाणु बम बनाकर	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(b) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(c) प्राकृतिक आपदा	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(c) बेहतर जीवन की तलाश	1
	(x)	(x)	(x)	(d) मानवीय गतिविधियाँ	1
2	2	1	3	**(क) काव्यांश - एक**	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) संकुचित होना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) सूर्य को	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) प्रकाश रूप में	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(a) धरती	1
	(v)	(v)	(v)	(c) पृथ्वी	1
	अथवा	अथवा	अथवा	**(ख) काव्यांश - दो**	
	(i)	(i)	(i)	(a) आत्मदान करना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) हरिश्चंद्र	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) समय	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) दानी	1

	(v)	(v)	(v)	(c) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए	1
3	3	3	2		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(a) छापाखाना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) इंटरनेट से	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) वास्तविक घटनाओं से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) समाचार लेखन से	1
	(v)	(v)	(v)	(c) सामान्य लेखन से अलग	1
4	4	4	4		5x1=5
	(i)	-	(i)	(b) बच्चों से	1
	-	(i)	-	(a) बच्चों की व्याकुलता के कारण	1
	(ii)	-	(ii)	(d) कोमलता	1
	-	(ii)	-	(d) उसका कोई अपना नहीं हैं	1
	(iii)	-	(iii)	(c) कठिनाइयों को आसान बनाना	1
	-	(iii)	-	(b) माँ की प्रतीक्षा में	1
	(iv)	-	(iv)	(c) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना	1
	-	(iv)	-	(d) उत्साह नहीं होना	1
	(v)	-	(v)	(b) लचीलापन	1
	-	(v)	-	(b) उसका अकेलापन	1
5	5	5	5		5x1=5
	(i)	-	(i)	(b) इसे अंधविश्वास मानने के कारण	1
	-	(i)	-	(d) रात का सूनापन	1
	(ii)	-	(ii)	(b) नाराज़गी के कारण	1
	-	(ii)	-	(a) जीने की शक्ति	1
	(iii)	-	(iii)	(c) परंपरा में विश्वास होने के कारण	1
	-	(iii)	-	(c) ऊर्जा का संचार करना	1
	(iv)	-	(iv)	(a) मुहावरा	1
	-	(iv)	-	(a) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर	1
	(v)	-	(v)	(d) लेखक से स्नेह होने के कारण	1
	-	(v)	-	(c) गाँव महामारी की चपेट में था	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(b) किशन दा से	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) यादें जुड़ी होने के कारण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से	1
	(v)	(v)	(v)	(d) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(d) कौआ	1

	(vii)	(vii)	(vii)	(d) (a) और (b) दोनों	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(b) मुअनजो-दड़ो	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(c) कोठार होने से	1
	(x)	(x)	(x)	(a) मेलुहा	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**7**	**7**	**(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	**6**
				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	1 3 1 1
8	**8**	**9**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	(क)	-	• कहानी के मूल संवादों से मेल खाते संवाद • दृश्य अनुसार संवादों की सुनिश्चितता • कथा सूत्र के विकास में सहयोग • बोलचाल की भाषा में छोटे और प्रभावशाली संवाद • पात्रानुरूप भाषा का प्रयोग **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	(क)	• हाँ, कथानक को स्थान, समय के आधार पर दृश्यों में विभाजित किया जाता है • कथानक को विकास और गति प्रदान करते हैं • पात्रों और परिवेश को संवादों के माध्यम से जोड़ते हैं	3
	(ख)	(ख)	-	• रेडियो पूरी तरह श्रव्य माध्यम है • रेडियो नाटक में शब्द और ध्वनि के माध्यम से संप्रेषण होता है • आवाज के माध्यम से ही कहानी, पात्रों का परिचय, द्वंद्व-समाधान संभव • आवाज से ही स्थितियों, चरित्रों तथा भावों का विकास **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	(ख)	रेडियो एक श्रव्य माध्यम, रेडियो नाटक में सीमित समय होता है, अतः कहानी का चयन क्रिया प्रधान न हो, कहानी में पात्र कम हों व कहानी छोटी हो	3

	(ग)	(ग)	-	▯ मुक्त कल्पना की स्वतंत्रता ▯ विचारों की मौलिक अभिव्यक्ति ▯ चिंतन-मनन करने की स्वतंत्रता ▯ विविध विषयों के समायोजन हेतु **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	(ग)	▯ लेखन का बुनियादी नियम ▯ आपस में खंडन करती दो बातें लेखन/अभिव्यक्ति का दोष ▯ लेखन में विचारों का प्रभाव तथा सुसंबद्ध रहने से स्पष्टता	3
9	**9**	**8**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**4x2=8**
	(क)	(क)	-	जनसंचार का ऐसा माध्यम, जो छपे हुए रूप में उपलब्ध हो, जैसे समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ **विशेषता -** ▯ शब्दों में स्थायित्व ▯ विषय का लिखित विस्तार ▯ सुविधानुसार पढ़ने का लाभ ▯ चिंतन-मनन व विचार विश्लेषण का माध्यम ▯ अगली पीढ़ी को हस्तांतरण संभव ▯ प्रमाण-स्वरूप प्रस्तुत करने की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2+2=4
	-	-	(क)	**क्षेत्र** - ▯ कृषि, खेल, विज्ञान, अर्थ-व्यापार, शिक्षा, पर्यावरण आदि **(किन्हीं दो क्षेत्रों की आवश्यकता पर विचाराभिव्यक्ति एवं विस्तार अपेक्षित)**	2+2=4
	(ख)	(ख)	-	क्या, किसके या कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे ▯ छः ककार के रूप मे ▯ मुखड़े में चार ककार - क्या, कौन, कहाँ और कब ▯ बॉडी और समापन में दो ककार - क्यों और कैसे	1+1+2=4
	-	-	(ख)	▯ उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग न होना	4

				• भाषा में समाचारों की सपाटबयानी न होना • फीचर का किसी भी विषय पर आधारित होना (विषय - क्षेत्र की व्यापकता) • प्रारंभ, मध्य और अंत कहीं से भी शुरू करना • शब्द-सीमा न होना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	
	(ग)	**(ग)**	**-**	**<u>पत्रकारीय लेखन</u> -** पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप पत्रकारीय लेखन कहलाते हैं । **पत्रकार के तीन प्रकार होते हैं -** पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) **पूर्णकालिक पत्रकार -** किसी समाचार संगठन के नियमित वेतनभोगी **स्वतंत्र पत्रकार -** भुगतान के आधार पर अलग-अलग समाचार पत्र के लिए कार्य करने वाले	**2+1+1=4**
	-	**-**	**(ग)**	**एंकर विजुअल -** घटना के वे दृश्य या विजुअल हैं, जिनके आधार पर एंकर द्वारा पढ़ी जाने वाली खबरें लिखी जाती हैं । **एंकर बाइट -** समाचारों की प्रामाणिकता हेतु प्रत्यक्षदर्शियों का कथन **एंकर पैकेज -** खबर को दृश्य, बाइट और ग्राफिक्स के जरिए संपूर्णता से पेश करना • इनका संबंध टी.वी. खबरों के विभिन्न चरणों से है	**1+1+1+1=4**
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**3x2=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• अपने बड़े भाई रावण द्वारा किए गए दुष्कृत्य के कारण • सीता की वास्तविकता को समझने के कारण • रावण की नासमझी के कारण लंका के विनाश की कल्पना कर	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	• नमी, ऊर्जा और शक्ति का संचार • उम्मीद की किरणों का अहसास • जीवन में परिवर्तन की आशा	**3**

	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	□ उषा का जादू टूटने का अर्थ है - उषा का वह अद्भुत, मनोहारी दृश्य धीरे-धीरे समाप्त हो जाना, जो सूर्योदय के ठीक पहले आकाश में उपस्थित था, जैसे : पल-पल परिवर्तित स्वरूप □ पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता	**3**
11	**11**	**11**	**12**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**(क)**	□ चिड़िया की शक्ति और सीमा निश्चित □ कविता की उड़ान असीमित, देशकाल की सीमा से परे	**2**
		(क)		□ भाषा बात (कथ्य) कहने का माध्यम □ विचारों को भाषा द्वारा अभिव्यक्त करना □ हर बात के लिए कुछ खास शब्द निश्चित होते हैं □ बात का भाषा के प्रयोग से प्रभावशाली / प्रभावहीन होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ख)	**-**	**(ख)**	□ घर लौटने की जल्दी □ बच्चों की चिंता □ दिन का ढलना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ख)**	**-**	**भाव -** □ यह संसार उन्हीं लोगों को पूछता है, जो उसके अनुसार चलते हैं और उसका गुणगान करते हैं □ संसार प्रेम पर नहीं स्वार्थ पर आधारित	**2**
	(ग)	**-**	**(ग)**	□ अमानवीयता और हृदयहीनता □ करुणा का बाजारीकरण □ संवेदनहीनता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ग)**	**-**	□ पतंगों के साथ बच्चों के मन का उड़ना □ बच्चों का उत्साहित होना □ पतंग के साथ बच्चों के मन का अटूट संबंध पतंग के माध्यम से आकाश की ऊँचाइयों को छूने	**2**

				का प्रयास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
12	12	12	11	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	▯ देहात के खान-पान, रहन-सहन का ज्ञान ▯ भक्तिन की देहाती परंपराओं को मानने की विवशता ▯ भक्तिन की भाषा और उसमें आने वाली अनेक दंत कथाओं का कंठस्थीकरण **(एक उदाहरण अपेक्षित)**	3
	(ख)	(ख)	(ख)	▯ अपनी जरूरत के अनुसार सामान खरीदने वाले ▯ बाज़ार की चकाचौंध से भ्रमित न होने वाले ▯ भरे मन से बाजार जाने वाले ▯ मन से संतुष्ट होने वाले ▯ भगत जी जैसे निर्लिप्त लोग **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	(ग)	(ग)	▯ स्पंदन, शक्ति-शून्य स्नायुओं में बिजली दौड़ जाना ▯ शक्तिहीन आँखों में दंगल का दृश्य ▯ आँखें मूदते समय कोई तकलीफ न होना ▯ मन से मृत्यु का भय दूर होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
13	13	13	13	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x2=4
	(क)	-	-	▯ इतने मजबूत कि नए फूलों के निकल आने पर भी अपना स्थान नहीं छोड़ना ▯ वसंत आगमन पर भी शाखाओं पर खड़खड़ाते रहना ▯ कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का प्रचार करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	(क)	-	▯ पिता का पुत्री के प्रति अगाध प्रेम ▯ पिता द्वारा भक्तिन को संपत्ति में हिस्सा देने के डर / ईर्ष्या से	2

	-	-	(क)	• भाग्य ने नाम को सार्थक नहीं रहने दिया • लक्ष्मी नाम धन, संपन्नता का सूचक, लेकिन भक्तिन की विपरीत स्थिति • नाम और वास्तविक जीवन में विरोधाभास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ख)	-	-	मनुष्य की इच्छा/रुचि को महत्त्व न दिए जाने के कारण विवशतावश कार्य को करना और कुशलता प्राप्त न होना • देश की अर्थव्यवस्था पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ना । • विपरीत परिस्थितियों में व्यवसाय बदलने की स्वतंत्रता न होने के कारण भूखे मरने की नौबत आना । **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	(ख)	-	• स्वतंत्रता, समता तथा भ्रातृत्व • **कारण -** जब तक समाज के प्रत्येक वर्ग को समानता और भाईचारे के साथ अपनी शक्ति के सक्षम और प्रभावशाली उपयोग की स्वतंत्रता नहीं होगी, समाज का विकास नहीं होगा ।	**1+1=2**
	-	-	(ख)	• पानी की निर्मम बर्बादी • पानी की कमी होने पर भी बाल्टी भर-भरकर मेंढक मंडली पर पानी उड़ेलना • अंधविश्वासी होना • मेघों के बरसने की आशा में पानी बहाना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ग)	-	-	• भक्तिन का जीवन परेशानियों से घिरा • बचपन में माँ का छिन जाना • विमाता का दुर्व्यवहार • जेठानियों द्वारा सताया जाना • बेटी का कम उम्र मे विधवा हो जाना • पंचायत द्वारा विधवा बेटी पर जबरन पति थोपा जाना	**2**

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	(ग)	-	▯ मौसम की मार से परे रह आठों याम मस्त रहना ▯ वायुमंडल से रस खींचना ▯ हमेशा हरा-भरा रहना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	(ग)	▯ पलाश के फूलों का कम अवधि के लिए खिलना और शिरीष का वसंत आगमन से लेकर आषाढ़ मास तक फूलों से लदे रहना ▯ लेखक का भी कबीरदास की तरह क्षणिक सौंदर्य का प्रेमी न होना	2

****